क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 348, शुक्रवार, 18 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आतंकवाद पर रोक लगाये बिना पाक से बातचीत नामुमकिन : सुषमा स्वराज

नेशनल डेस्क। केन्द्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने दोहराया कि सीमापार से जारी आतंकवाद पर लगाम लगाये बिना पाकिस्तान से बातचीत की प्रक्रिया शुरू होना नामुमकिन है। वाराणसी में 21 जनवरी से शुरू होने वाले तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस के बारे में जानकारी देने यहां आयी स्वराज ने यह बात कही। विदेश मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि आतंक और बातचीत साथ साथ नहीं हो सकती। देश की यह नीति है कि जब तक पाकिस्तान सीमापार से जारी आतंकवाद पर नकेल नहीं कसता है, उसके साथ किसी प्रकार की बातचीत संभव नहीं है। प्रवासी भारतीय दिवस के लिये पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल को न्योता भेजने और देश के विकास में पड़ोसी मुल्क की मदद लेने संबंधी सवाल के जवाब में स्वराज ने कहा कि जब हम उनसे बातचीत ही नहीं कर रहे है तो उन्हे आमंत्रित करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होने कहा कि पाक लगातार सीमा पार से आतंकवाद गतिविधियां संचालित कर रहा है। ऐसे में उसके साथ बातचीत करने का कोई औचित्य नहीं है। आतंकवाद और बातचीत की प्रक्रिया साथ साथ नहीं चल सकती।

ऑफ द रिकॉर्ड: हरियाणा का भी आई.ए.एस. अधिकारी राजनीति में आने को तैयार

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के शाह फैसल की तर्ज पर अब हरियाणा का भी एक आई.ए.एस. अधिकारी बृजेन्द्र सिंह त्यागपत्र देकर राजनीति में आना चाहता है। वर्तमान में वह हरियाणा राज्य को-आप्रेटिव सोसायटी के प्रबंध निदेशक हैं। वह केंद्रीय इस्पात मंत्री बीरेन्द्र सिंह के पुत्र व सर छोटू राम के पोते हैं। सूत्रों के अनुसार बृजेन्द्र सिंह इस साल होने वाला लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। इस संबंध में उनके पिता चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने भाजपा हाईकमान को पहले ही बता दिया है कि वह अभी चुनाव नहीं लड़ेंगे और अपने बेटे के लिए सीट खाली कर देंगे। इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि या तो बृजेन्द्र रोहतक से लड़ेंगे या पानीपत से। सोनीपत से बी.एस. हुड्डा के बेटे दीपेन्द्र हुड्डा सांसद हैं इसलिए भाजपा वहां से मजबूत उम्मीदवार उतारने की सोच रही है। कैप्टन अभिमन्यु पिछले चुनावों में मोदी लहर के बावजूद भी यह सीट जीतने में नाकाम रहे थे इसलिए भाजपा चाहती है कि बृजेन्द्र जैसा मजबूत उम्मीदवार यहां से खड़ा हो। उनकी माता भी हरियाणा भाजपा में विधायक हैं लेकिन उनके पिता व इस्पात मंत्री चाहते हैं कि अब उनका बेटा इस विरासत को आगे बढ़ाए। हालांकि बीरेन्द्र अभी 72 साल के हुए हैं, इसके बावजूद वह अब संगठन के लिए काम करना चाहते हैं। बृजेन्द्र ने भी इस संबंध में स्वयं संकेत दिए हैं कि वह राजनीति में आ सकते हैं। उन्होंने पूर्व पी.एम. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उनकी बरसी पर कहा था कि राजनीति और नौकरशाही विकास के पहियों की तरह हैं।

कर्नाटक की राजनीति से मध्यप्रदेश में सतर्क हुई कांग्रेस

भोपाल।

कर्नाटक में मचे सियासी बवाल के बीच मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस सतर्क हो गई है। कांग्रेस को अंदेशा है कि बीजेपी राज्य की कमलनाथ सरकार को अस्थिर करने में जुटी है। हालांकि कांग्रेस सूत्रों के अनुसार कर्नाटक में बीजेपी सरकार गिराने में कामयाब नहीं हो पाएगी और वे मध्यप्रदेश में भी ऐसी कोशिश कर सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि वे भोपाल में हमें सत्ता से हटाने के के लिए असली ताकत लगाने जा रहे हैं। कर्नाटक में एच डी कुमारस्वामी की कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार से दो विधायकों ने मंगलवार को अपना समर्थन वापस ले लिया। एच नागेश (निर्दलीय) और आर शंकर (केपीजेपी) ने राज्यपाल वजुभाईवाला को पत्र लिख अपने इस फैसले से अवगत कराया। बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बाद अब नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव भी कह चुके हैं कि जब तक मंत्रियों के बंगले पुतेंगे कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। इससे पहले विजयवर्गीय ने भी कहा था कि बस हाईकमान को छींक आ जाए, बॉस का इशारा हो जाए, कमलनाथ सरकार पांच दिन में गिरा देंगे। बता दें कि एमपी में कुल 230 विधानसभा सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 116 है। हाल ही में हुए चुनावों में कांग्रेस ने 114 तो बीजेपी ने 109 सीटों पर जीत हासिल की थी। इनके अलावा ने 2 , स 1 सीट और अन्य ने चार सीटों पर जीत दर्ज की थी।

राहुल की रैलियों से कांग्रेस करेगी चुनावी आगाज

लखनऊ ।

समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गठबंधन के बाद अलग पड़ी कांग्रेस ने अकेले दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और इसकी बड़े पैमाने पर तैयारी भी शुरू कर दी है। इसके लिए कांग्रेस पदाधिकारियों ने बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश प्रदेश में एक साथ 13 रैलियां करने जा रहे हैं। इस बारे में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम नबी अजाद ने जानकारी भी दी है। इसी के बाद से राहुल गांधी की रैलियों का खाका तैयार किया जा रहा है। फरवरी के पहले हफ्ते में राहुल की रैली की शुरुआत राजधानी लखनऊ से होगी। कांग्रेस ने रैली में भीड़ जुटाने के लिए अन्य राज्यों के बड़े चेहरों को भी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। राहुल की रैली गोरखपुर मंडल के कुशीनगर में फरवरी के दूसरे सप्ताह में होगी। रैली से पूर्व कुछ क्षेत्रों में राहुल गांधी का रोड शो भी होगा। इसके अलावा मुरादाबाद, आगरा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी समेत कई अन्य मंडलों में भी राहुल की रैली होगी। मुरादाबाद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ. एपी सिंह ने बताया कि राहुल गांधी प्रदेश में एक दर्जन रैलियां करेंगे। इनमें से एक रैली छह या सात फरवरी को मुरादाबाद में प्रस्तावित है। मुरादाबाद में प्रस्तावित रैली में मंडल के जिलों बिजनौर, अमरोहा, संभल, रामपुर से भीड़ जुटाने की तैयारी है। जिसमें करीब पांच लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता दिल्ली में इसकी तैयारी कर रहे हैं।

मध्य जोन की बैठक लखनऊ में हो चुकी है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की बैठक 16 जनवरी को होगी। कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार राहुल गांधी प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में जाकर प्रचार करेंगे।

इन रैलियों में सारा फोकस किसानों पर होगा। राहुल किसानों की खराब हालत का मुद्दा उठा कर मोदी सरकार पर निशाना साधेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नमो एप पर महागठबंधन को लेकर पूछा जा रहा है अहम सवाल

नई दिल्ली।

क्या बीजेपी विरोधी 'महागठबंधन' का आपके संसदीय क्षेत्र में कोई असर होगा? यह सवाल 'नमो' एप पर 'पीपुल्स पल्स' सर्वे में लोगों से पूछे जाने वाले कई सवालों में से एक है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ट्विटर पर एक संक्षिप्त वीडियो पोस्ट कर लोगों से सर्वे में हिस्सा लेने की अपील की. सर्वे में लोगों से उनके राज्य, संसदीय क्षेत्र, सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं, किसानों की समृद्धि, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, स्वच्छ भारत, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, ढांचागत सुविधाएं, रोजगार और ग्रामीण विद्युतीकरण जैसे क्षेत्रों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में पूछा जा रहा है. वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, ÷नमो एप पर सर्वे शुरू किया गया है. सर्वे के माध्यम से मैं सीधे आपका फीडबैक चाहता हूं. आपका फीडबैक मायने रखता है. विभिन्न मुद्दों पर आपके फीडबैक से हमें महत्वपूर्ण निर्णय करने में मदद मिलेगी. क्या आप सभी उस महत्वपूर्ण सर्वे में हिस्सा लेंगे.'' सवालों में महागठबंधन के बारे में एक प्रश्न भी शामिल है. इसमें लोगों से पूछा गया है कि क्या 'महागठबंधन' का उनके संसदीय क्षेत्र में असर पड़ेगा. आम चुनावों से पहले बीजेपी के खिलाफ गठबंधन बनाने के प्रयासों के बीच यह सर्वे किया जा रहा है. सर्वे में यह भी पूछा गया है कि आपके लोकसभा क्षेत्र के तीन लोकप्रिय बीजेपी नेता कौन से हैं. प्रश्न के जरिये पूछा गया है कि सर्वे भरने वाला व्यक्ति राज्य के तीन लोकप्रिय नेताओं के नाम बताए. सर्वे में लोगों से पूछा गया है कि उनके क्षेत्र के सांसद क्या उनके लिए सहज रूप से उपलब्ध हैं या नहीं. सर्वे में भाग लेने वाले व्यक्ति से अपने सांसद के कार्यों और उसकी पहल के बारे में प्रश्न पूछे गए हैं. यह भी पूछा गया है कि क्या उनका सांसद अपने क्षेत्र में लोकप्रिय है या नहीं. एक अहम सवाल जो सर्वे में शामिल है, वह यह है कि क्या आप बीजेपी को चंदा देने चाहते हैं या बीजेपी के लिए स्वैच्छिक रूप से काम करना चाहते हैं, क्या उनके पास नमो मर्चेंडाइज है, क्या भारत सरकार की कार्य संस्कृति में सुधार हुआ है.

मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा में शामिल किया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में राजनीतिक उत्तराधिकारी के संबंध में मीडिया में लगने वाले कयास की अनदेखी करते हुए मायावती ने आलोचकों पर निशाना साधा और अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में शामिल करने की घोषणा की। आकाश एमबीए ग्रेजुएट हैं। कुछ मीडिया संस्थानों पर जातिवादी और दलित-विरोधी होने का आरोप लगाते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि वह भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में शामिल कर रही हैं ताकि वह पार्टी के बारे में जान सके।

मीडिया ने इस बाबत कयास लगाने तब शुरू किए थे, जब मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश को मायावती के 63वें जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को और समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की घोषणा के दौरान शनिवार को उनके आवास पर आगंतुकों का अभिवादन करते देखा गया। इन अवसरों पर आकाश को देखने के बाद यह प्रश्न उठने लगे थे कि क्या वह मायावती के उत्तराधिकारी होंगे।

मायावती ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कहा, बसपा की लोकप्रियता बढ़ने और पार्टी के सपा के साथ गठबंधन करने से कई पार्टियों और जातिवादी और दलित-विरोधी नेताओं की रातों की नींद उड़ी हुई है। वे सही तरीके से हमसे लड़ने के स्थान पर हमपर अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं और कुछ जातिवादी और दलित विरोधी मीडिया संस्थानों के साथ मिलकर हमारे विरुद्ध षड्यंत्र कर रहे हैं।

लंदन से एमबीए की डिग्री प्राप्त करने वाले अपने भतीजे आकाश को पार्टी में शामिल करने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, मेरे जन्मदिन पर लखनऊ में आकाश को देखे जाने के बाद, उस पर राजनीतिक विरोधियों ने निशाना साधा। राजनीतिक हलकों में जातिवादी और दलित विरोधी सोच घटिया राजनीति में संलिप्त है। मायावती ने कहा कि वह कांशीराम की शिष्या हैं और 'आप सभी जानते हैं कि कैसे वह 'जैसे को तैसा' की तर्ज पर जवाब दिया करते थे।'

उन्होंने कहा, और कांशीरामजी की शिष्या होने के नाते, जैसे को तैसा नीति के तहत जवाब देते हुए मैं आकाश आनंद को बसपा आंदोलन में शामिल करूंगी।

भाजपा के 60फीसदी सांसदों के खिलाफ नेगेटिव फीडबैक

नई दिल्ली ।

भाजपा के 60 फीसदी लोकसभा सांसद को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। पार्टी हाईकमान ने इसका फीडबैक जुटाना शुरू कर दिया है। हो सकता है कि इन सांसदों में से कुछ का विकेट डाउन भी हो। पार्टी को अपने अंदरूनी तंत्र से विभिन्न स्तरों पर मिल रहे फीडबैक में यह स्थिति सामने आई है। इनमें से कुछ को तो बदला जा सकता है, लेकिन कई मंत्री व बड़े कद वाले नेता भी शामिल हैं, जिनके टिकट काट पाना संभव नहीं है। बता दें, पीएम मोदी अपनी एप्प के माध्यम से भी एक सर्वे करा रहे हैं जिसमें जनप्रतिनिधियों के बारे में राय ली जा रही है। दिल्ली में दो दिन पहले हुई पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में देश के हर लोकसभा क्षेत्र के चुनिंदा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान उनके क्षेत्रों के पार्टी सांसदों को लेकर भी उनकी राय जानने की कोशिश की गई। पार्टी ने लोकसभा क्षेत्र के सोशल मीडिया प्रभारियों, मीडिया प्रभारियों, विभिन्न मोर्चों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों का एजेंडा तो चुनावी तैयारियों का था लेकिन इनमें सांसदों को लेकर राय भी सामने आईं। बिहार और यूपी के कार्यकर्ताओं ने तो कुछ मंत्रियों के भी नाम लिए और कहा कि इनको अगर दोबारा टिकट दिया गया तो मुश्किल होगी। संगठन से जुड़े एक प्रमुख नेता ने कहा कि कार्यकर्ताओं की अपेक्षाएं ज्यादा होती है और ऐसे में नाराजगी होती ही है। जिन क्षेत्रों से हर स्तर पर नकारात्मक रिपोर्ट मिल रही है, वहां पर उम्मीदवार बदलने पर विचार किया जाएगा। वैसे भी हर चुनाव में लगभग 20 फीसदी चेहरे बदले ही जाते हैं। सूत्रों के अनुसार कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक में कई प्रमुख नेताओं के खिलाफ माहौल होने से पार्टी सतर्क हो गई है। इसकी एक वजह हाल के विधानसभा चुनाव रहे हैं। जहां पर कई सीटों पर नकारात्मक माहौल होने के बाद भी टिकट नहीं काटे गए।

लोकपाल पर फरवरी अंत तक नाम भेजे समिति : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल पर खोज समिति के लिए देश के पहले लोकपाल की नियुक्ति के वास्ते नामों के पैनल की सिफारिश करने की समय सीमा फरवरी के अंत तक निर्धारित कर दी है। खोज समिति की प्रमुख सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई हैं।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र को निर्देश दिया कि खोज समिति को आवश्यक सुविधाएं और श्रमबल मुहैया कराया जाए, ताकि वह अपना काम पूरा कर सके। मामले की अगली सुनवाई सात मार्च को होगी। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने पीठ से कहा कि आधारभूत ढांचे की कमी और श्रमबल जैसी कुछ समस्याएं हैं, जिस कारण से खोजबीन समिति मुद्दे पर विचार-विमर्श नहीं कर सकी है।

शीर्ष न्यायालय ने 4 जनवरी को केंद्र सरकार को लोकपाल की नियुक्ति के लिए अभी तक उठाए गए कदमों के बारे में हलफनामा देने के निर्देश दिए थे। न्यायालय ने इस बारे में धीमी प्रगति को लेकर नाखुशी जताई थी।

गैरसरकारी संगठन 'कॉमन कॉज' की तरफ से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा था कि सरकार ने वेबसाइट पर खोज समिति के सदस्यों के नाम तक उजागर नहीं किए हैं। यह संगठन लोकपाल के मुद्दे पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। समिति नामों को चयन समिति के पास भेजेगी जिसमें प्रधानमंत्री, सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता, लोकसभा अध्यक्ष और एक प्रमुख न्यायविद शामिल हैं।

आठ सदस्यीय खोज समिति बनी थी

केंद्र सरकार ने 27 सितंबर 2018 को न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय खोज समिति का गठन किया था। इस समिति को लोकपाल की नियुक्ति के लिए चयन समिति के पास नामों की अनुशंसा भेजना था।

खोज समिति के सदस्य

स्टेट बैंक की पूर्व प्रमुख अरुंधति भट्टाचार्य, प्रसार भारती के अध्यक्ष ए. सूर्यप्रकाश, इसरो के पूर्व प्रमुख ए.एस. किरण कुमार, इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज सखाराम सिंह यादव, गुजरात पुलिस के पूर्व प्रमुख शब्बीर हुसैन एस. खांडवावाला, राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस ललित के. पंवार और पूर्व सॉलिसिटर जनरल रंजीत कुमार।

दिल्ली में 15 मिनट तक लूटी दुरंतो एक्सप्रेस, यात्रियों के चश्मे तक ले गए लुटेरे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को जम्मू-दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस के दो एसी कोचों में सफर कर रहे यात्रियों से लूटपाट का मामला सामने आया है। करीब 15 तक चली इस लूट के दौरान बेखौफ लुटेरे दर्जनों यात्रियों से नकदी, गहने, एटीएम कार्ड और यहां तक कि उनके चश्मे तक लूट लिए गए।

जम्मू से दिल्ली जाने वाली ट्रेन में यात्रा कर रहे अश्विनी कुमार नामक एक यात्री द्वारा इस बारे में सबसे पहले रेलवे के शिकायत पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बाद यह मामला सामने आया।

अश्विनी कुमार ने अपनी शिकायत में कहा, हाथों में तेज धार वाले चाकू लेकर करीब 7 से 10 अज्ञात बदमाश ट्रेन के कोच बी 3 और बी 7 में घुस आए। उन्होंने यात्रियों के गले के पास चाकू रख दिया और कहा कि वो अपने साथ जो भी महंगी वस्तुएं ले जा रहे हैं उन्हें सौंप दें। यह लूटपाट करीब 10-15 मिनट तक चली।'' कुमार ने कहा कि लुटेरों ने कई यात्रियों से पर्स, नकदी, कैरी बैग, सोने की चेन, मोबाइल और कई अन्य सामान छीन लिए। उन्होंने कहा कि विडंबना यह रही कि न तो कर्मचारी और ना ही कोई सुरक्षाकर्मी वहां मौजूद था। हमने ट्रेन अटेंडेंट और टीटी तक पहुंचने की कोशिश की। लेकिन अटेंडेंट अपने निर्धारित स्थान पर नहीं था और कहीं और सो रहा था।

दिल्ली में दूरंतो एक्सप्रेस के दो एसी कोच में यात्रियों से लूटपाट

रेलवे के एक अधिकारी के मुताबिक, सराय रोहिला स्टेशन पर पहुंचने से पहले ट्रेन कुछ सिग्नल की समस्या के कारण रुकी थी। रेलवे सुरक्षा बल ने एक बयान में कहा है कि सिग्नल के साथ छेड़छाड़ की गई थी। आरपीएफ ने कहा कि उनके कर्मचारी ट्रेन के ही दूसरे कोचों में मौजूद थे। बयान में कहा गया है कि हम यात्रियों से जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं, संदिग्धों के स्केच बना रहे हैं और इसमें शामिल गिरोह की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। आरपीएफ को दिए गए बयानों के अनुसार, यात्रियों ने सोने के गहने, नकदी, मोबाइल और यहां तक कि धूप के चश्मे की लूट की सूचना दी है।

संपादकीय

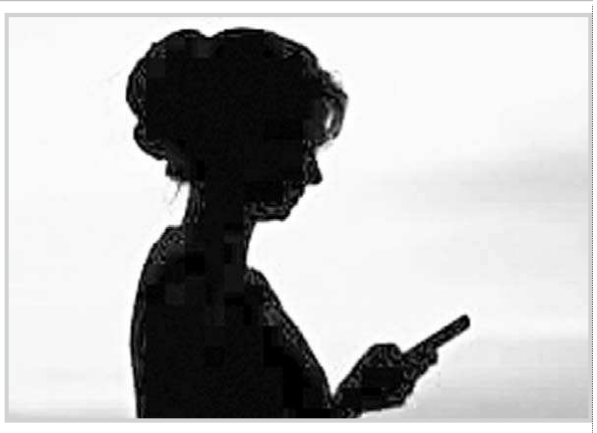

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा सेना के जवानों और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े कर्मियों को हनी ट्रैप में फांसने की साजिश का फिर खुलासा हुआ है। आईएसआई की इस साजिश को गंभीरता से लेने की जरूरत है, ताकि दुश्मन देश को मंसूबे में कामयाबी न मिल पाए। साथ ही दोषी जवानों को सख्त सजा दिए जाने की भी जरूरत है, ताकि दूसरों को सबक मिल सके।

हनीट्रैप से बचने की जरूरत

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा सेना के जवानों और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े कर्मियों को हनी ट्रैप में फांसने की साजिश नई नहीं है। युद्ध और कूटनीतिक मोर्चे पर मात खाने के बाद पाक का यह नया पैंतरा है। पाक को लगता है कि वह इस बहाने भारतीय जवानों से सेना और देश की खुफिया जानकारी हासिल कर लेगा और भारत को परास्त कर देगा। पाकिस्तान को छोड़ शायद ही कोई देश होगा, जो कूटनीतिक और सामरिक नीति एक ही बनाता होगा। बता दें कि भारत भी विभिन्न मोर्चों के लिए कई प्लान तैयार रखता है, जिसे समय और परिस्थिति के मुताबिक अमल में लाता है। इसलिए किसी एक जवान से मिली जानकारी से यह अंदाजा कतई नहीं लगाया जा सकता है कि पाक के हाथ सारी जानकारियां लग गईं। हालांकि, हनीट्रैप में फंस रहे जवानों को इस बाबत छोड़ा भी नहीं जाना चाहिए। उन पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, अगर वे जरा सी लालच में फंस देश की संप्रभुता के साथ समझौता करने लग जाएंगे, तब पाकिस्तान ही क्या कोई भी देश हमें आंखें दिखाने लग जाएगा। पाक का अब उसका जो मॉड्यूल है उसमें कुंवारों को शादी का झांसा और बेरोजगारों को खुफियागिरी की नौकरी देने वाला नया है। आईएसआई की इसी साजिश का शिकार एक और सेना का जवान हुआ है। हनीट्रैप फंसकर पाक जासूस को खुफिया जानकारी देने के आरोपी जवान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सेना के जवान सोमवीर से हुई पूछताछ और अब तक की छानबीन से पता चला है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई महिलाओं के माध्यम से भारत की सैन्य संबंधी जानकारी एकत्रित करती है। आईएसआई से जुड़ी महिला एजेंट भारत के सामरिक ठिकानों पर तैनात जवानों से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती कर अपने जाल में फंसाती हैं। पिछले दिनों जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन के टैंक यूनिट में तैनात जवान सोमवीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आईएसआई महिला एजेंट ने अनिका चोपड़ा के नाम से फेसबुक आईडी बना रखी है। उसने अब तक करीब चार दर्जन जवानों को अपने जाल में फंसाकर खुफिया जानकारी एकत्रित की है। जवानों से बात करने वाली महिला कराची की रहने वाली है। अब तक की जांच में सामने आया है कि सोमवीर ने हथियारों व टैंक के फोटो अनिका चोपड़ा को भेजे थे। इसके बदले उसको पैसे मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस व सेना के अधिकारियों का कहना है कि अनिका चोपड़ा सोमवीर सहित अन्य जवानों से न्यूड होकर वाट्सएप कॉल करती थी। सोमवीर के खिलाफ स्पेशल पुलिस स्टेशन जयपुर में शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 में मामला दर्ज कर चार जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। यह बात भी सामने आई कि सोमवीर अपने प्रशिक्षण काल से ही अनिका चोपड़ा के संपर्क में था और तभी से फेसबुक के माध्यम से सेना से जुड़ी जानकारी उसके साथ शेयर करता था। वह 2016 में सेना में भर्ती हुआ और उसके आर्म्ड ट्रेनिंग के लिए महाराष्ट्र के अहमदनगर भेजा गया था। यहीं इसकी फेसबुक पर अनिका चोपड़ा से दोस्ती हुई थी। उसके बाद जैसलमेर में पोस्टिंग हुई तो उनका आपसी संवाद और आगे बढ़ा।

देखा जाए तो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा सेना के जवानों और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े कर्मियों को हनी ट्रैप में फांसने की साजिश नई नहीं है। उत्तर प्रदेश आतंकवादी निरोधक दस्ता (एटीएस) ने जब हाल में गिरफ्तार किए गए सीमा सुरक्षा बल के जवान अच्युतानंद मिश्रा से पूछताछ की तो फेसबुक के लाइक और कमेंट से आईएसआई के जाल में फंसकर देशद्रोह की कहानी सामने आई। लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी इस मामले की जांच में सामने आया, जिसमें शादी और नौकरी भी शामिल है। फेसबुक की हसीन दुनिया में पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) की दखल की दास्तान इस कदर घर कर गई है कि विदेशों में बैठे उसके गुर्गे हसीन वीडियो, फोटो और कहानियां पोस्ट करके उपयोगकर्ताओं को बाध्य कर देते हैं कि वह उसे लाइक या कमेंट करे। जैसे ही यह कमेंट या लाइक उपयोगकर्ता करता है वह आईएसआई के बुने जाल में फंसता चला जाता है। आईएसआई का नया मॉड्यूल है सेक्स, शादी व नौकरी। एटीएस के अनुसार आईएसआई या दुश्मन देश बेरोजगारों को नौकरी देने के बहाने वरगला कर सुरक्षा एजेंसियों की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इसी प्रकार अविवाहितों को भी निशाना बनाया जा रहा है। जिन्हें विदेशों में बैठे जासूस छद्म भेष धर मादक अदाओं के जरिए टार्गेट कर रहे हैं, जिसकी परिणति अदा में फंसकर शादी तो नहीं पर सजा जरूर हो रही है।

भारतीय सेना में इस प्रकार के जासूसी के मामले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की नापाक साजिशों के चलते जिस तरह अब रह-रहकर सामने आ रहे हैं, वो देश की सुरक्षा की दृष्टि से गहन चिंता का विषय हैं। कुछ माह पूर्व हरियाणा के सोनीपत जिले के गन्नौर से गौरव नामक युवक को पकड़ा गया, जिसे आईएसआई की दो महिला जासूसों ने फेसबुक के माध्यम से फेक आईडी के जरिए सेना में भर्ती होने के बाद सेना से जुड़ी जानकारियां देने के लिए तैयार किया था और उसे सेना में भर्ती होने वाले अन्य युवकों से भी संपर्क बनाकर उनसे जानकरियां हासिल कर इन महिला जासूसों को उपलब्ध कराने के लिए लालच दिया गया था। इससे पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब सेना के कुछ वरिष्ठ अधिकारी व सैन्यकर्मी आईएसआई की ऐसी महिला जासूसों के मनमोहक जाल में फंसकर सेना की गोपनीय सूचनाएं लीक करते पकड़े गए हैं। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ, जब वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी अरुण मारवाह और थलसेना के एक अधिकारी को सेना में जासूसी के आरोप में दबोचा गया था और ये मामले उस समय देशभर में सुर्खियां बने थे। तब यह भी उजागर हुआ था कि आईएसआई कैसे सोशल मीडिया के जरिए युवाओं, सैन्यकर्मियों व सेना अधिकारियों को महिला एजेंटों के जरिए अपने जाल में फंसाने में सफल हो रही है।

जासूसी के कार्यों के लिए आज भी भले ही महिलाओं को इस्तेमाल किया जाता हो किंतु आधुनिक तकनीक और साइबर व सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के चलते इन्हें दूसरे देश भेजने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती बल्कि अपने देश में ही रहकर ये महिला जासूस या ऐसे ही छद्म जासूस इन्हीं आधुनिक तकनीकों के सहारे यह काम बखूबी कर रहे हैं। दुश्मन देश की सैन्य रणनीति के राज जानने के लिए खूबसूरत महिलाओं को जासूस रूपी हथियार बनाकर जासूसी के लिए इस्तेमाल करना ही 'हनीट्रैप' कहलाता है। अमेरिका, रूस, चीन व जापान सरीखे विकसित देशों में हनीट्रैप के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। हनीट्रैप के लिए देश की खुफिया एजेंसियां महिला जासूसों को ये जिम्मेदारी सौंपती हैं, जिसके बदले में उन्हें मोटी कीमत अदा की जाती है। 'हनी ट्रैप' अर्थात् शहद जैसा ऐसा मीठा जाल, जिसमें फंसने वाले सेना अधिकारियों को आभास तक नहीं होता कि वो किस जाल में फंसते जा रहे हैं। दुश्मन देश की रणनीति जानने के लिए आज लगभग सभी देश 'हनीट्रैप' का सहारा ले रहे हैं और आजकल इसके लिए फेसबुक तथा वाट्सएप का इस्तेमाल हो रहा है।

अब जिस प्रकार दुश्मन देश को सूचनाएं लीक करने के मामले में सेना के बड़े अधिकारी भी पकड़े जाने लगे हैं तो स्थिति की गंभीरता को आसानी से समझा जाता है। आईएसआई की इस साजिश से सरकार को सतर्क रहने की जरूरत है और दोषी जवानों को सख्त सजा दिए जाने की जरूरत है, ताकि दूसरों को सबक मिल सके। ऐसा किया जाना देश की सुरक्षा के लिहाज से बेहद जरूरी है।

■ **डॉ. पीयूष मिश्र**
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

गणित से क्यों भाग रहे बच्चे

प्रथम नामक एनजीओ द्वारा जारी एक रिपोर्ट में देश के बच्चों की बदतर शैक्षिक स्थिति फिर से सामने आई है। कहा गया है कि आठवीं क्लास के 56 फीसदी छात्रों को तीन अंकों की संख्या को एक अंक के अंक से भाग देना नहीं आता। यह चिंता बढ़ाने वाली स्थिति है।

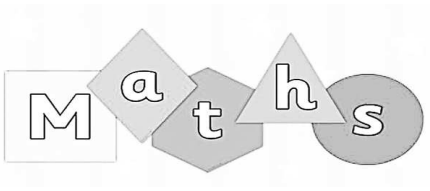

देश में शिक्षा का अधिकार लागू होने से भले ही इस बात की आश्वस्ति मिल गई हो कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे स्कूल में पढ़ें और कम ही स्कूल छोड़ने पर मजबूर हों लेकिन सच्चाई यह है कि आठवीं क्लास से पासआउट होने वाले आधे से अधिक बच्चे सामान्य गणित तक नहीं कर सकते। वहीं एक चौथाई बच्चे तो पढ़ तक नहीं सकते हैं। प्रथम नामक एनजीओ द्वारा 2018 की ऐनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट के अनुसार आठवीं क्लास में पढ़ने वाले 56 फीसदी स्टूडेंट्स तीन अंकों की संख्या को एक अंक के नंबर से भाग नहीं दे सकते हैं। वहीं पांचवीं क्लास के 72 फीसदी बच्चे भाग ही नहीं दे सकते हैं, जबकि तीसरी क्लास के 70 प्रतिशत बच्चे घटाना नहीं कर सकते। यह स्थिति एक दशक पहले से भी बदतर है। वर्ष 2008 में पांचवीं क्लास के 37 फीसदी बच्चे सामान्य गणित कर लेते थे, जबकि आज यह संख्या 28 प्रतिशत से कम है। गणित की बेसिक जानकारी में लड़कियां, लड़कों से काफी पीछे हैं। केवल 44 फीसदी लड़कियां ही भाग कर सकती हैं, जबकि लड़कों में यह संख्या 50 फीसदी के आसपास है।

एक ओर दुनिया में फिर से गणित की उपयोगिता का दायरा बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर शून्य के आविष्कारक देश के रूप में प्रतिष्ठित भारत में इस विषय को लेकर कोई सनसनी नहीं दिखती। यहां तक पिछले साल जब भारतीय मूल के प्रतिभाशाली गणितज्ञ मंजुल भार्गव को मैथमैटिक्स का फील्ड्स मेडल दिया गया, तो भी यह सवाल लोगों के जेहन में गूंजता रहा कि क्या ये उपलब्धियां भारतीय बच्चों और युवाओं में गणित के प्रति कोई उल्लेखनीय लगाव पैदा कर पाएंगी। दुनिया में फील्ड्स मेडल को नोबेल के समकक्ष माना जाता है और विशेषज्ञों का मत है कि इसे हासिल करना नोबेल पाने से भी ज्यादा कठिन है। पर जहां तक गणित के क्षेत्र में भारतीय मेधा का सवाल है, एक से बढ़ कर एक उदाहरण होने के बावजूद युवाओं में गणित से दूर भागने का रुझान दिखाई देता है। हमारे देश में बच्चे मामूली जोड़-घटाव और गुणा करने तक के लिए अब तक कैलकुलेटर, मोबाइल फोन या कम्प्यूटर पर ही आश्रित नहीं हुए हैं, बल्कि वे गणित को आनंद का विषय भी नहीं मानते।

गणित आनंद का विषय (जॉय ऑफ मैथ्स) हो सकता है- इस बारे में एक स्थापना महान गणितज्ञ जीएच हार्डी की है जिन्होंने अपनी किताब 'अ मैथमैटेशियंस अपोलॉजी' में यह बात स्वीकार की है कि भले ही अप्लाइड मैथ्स (व्यावहारिक गणित) को तुच्छ और नीरस माना जाता है, पर इसके दार्शनिक रोमांच और इसकी स्थायी एस्थेटिक वैल्यू यानी आनंद से इनकार नहीं किया जा सकता। हार्डी का बयान दार्शनिक कोटि का है और उन्होंने अप्लाइड मैथ्स की प्योर (विशुद्ध) मैथ्स से जो तुलना की है, आज वह बेमानी हो चुकी है क्योंकि इन दोनों दायरों का अंतर तेजी से मिटता जा रहा है। अगर हम गणित को बेहतर करना चाहते हैं, तो काफी काम करना होगा।

यूपी में गठबंधन की धुंधली तस्वीर

लोकसभा चुनाव के लिए सपा और बसपा के बीच गठबंधन और उसके मकसद का गणित उत्तर प्रदेश के मतदाता भी समझ रहे हैं। अब तक आपस में धुर-विरोधी रहे दोनों दल अपने स्वार्थ के लिए एक साथ आ गए हैं। खुद का वजूद जब खतरे में पड़ा तो किरदार बदल लिया। 1993 के बाद 2019 में दो दुश्मन साथ आए है। कहते हैं कि गठबंधन शर्तों पर होते हैं, सरकारें भी शर्तों पर बनती हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने भी एक शर्त सपा के समक्ष रखी है। शर्त है प्रधानमंत्री उम्मीदवार की। हामी के बाद भाजपा के विजयरथ को रोकने के लिए दो कट्टर दुश्मन एक मंच पर आ गए। दोनों का मकसद केंद्र से भाजपा की बेदखली करना मात्र है। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव एक साथ मिलकर लड़ेंगे। दोनों दल अपने प्रभाव वाले राज्य यानी उत्तर प्रदेश में 38-38 सीटों पर साक्षा उम्मीदवार उतारेंगे।

सूत्र बता रहे हैं इस गठबंधन की नींव मायावती ने सपा के साथ खुद को प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवार के तौर पर रखी है। माया-अखिलेश द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में इस बात की तस्वीर भी कमोबेश कुछ देखने को मिली। निश्चित तौर पर अगर दोनों दल चालीस या पचास सीटें जीत जाते हैं तो भाजपा के लिए मुसिबत खड़ी कर सकते हैं। उस स्थिति में चुनाव संपन्न होने के बाद दोनों दल साक्षा रूप से महागठबंधन का हिस्सा इस शर्त पर बन सकते हैं कि उनके उम्मीदवार यानी मायावती को देश का प्रधानमंत्री बनाया जाए। मायावती ने बहुत सोच समझकर सपा से गठबंधन करने का फैसला लिया है। सपा के कंधे पर बंदूक तानकर अपने विरोधियों को पस्त करना चाहती हैं। मायावती ने गठबंधन की घोषणा ऐसे वक्त की जब भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में चल रहा था।

अधिवेशन के अंतिम दिन प्रधानमंत्री का भाषण भी फीका पड़ गया। जितना प्रचार मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिल सका क्योंकि उसी वक्त माया-अखिलेश की प्रेसवार्ता शुरू हो गई। मुद्दों को कैसे डायवर्ट किया जाता है इसका गणित मायावती से बेहतर भला और कौन समझ सकता है। प्रेसवर्ता करने का उनका मकसद भाजपा के अधिवेशन को फीका करना था जिसमें वह सफल भी हुईं। सपा-बसपा के साथ आने से 2019 का लोकसभा चुनाव अब और रोचक हो गया है। कहा जा रहा है कि यह गठबंधन सबसे ज्यादा नुकसान सत्ताधारी पार्टी को पहुंचाएगा क्योंकि भाजपा को सिर्फ सपा-बसपा के गठबंधन से ही खतरा था जिसे रोकने के लिए सरकार व संगठन द्वारा हर तरह के जतन किए गए, लेकिन सभी बेअसर साबित हुए। दोनों के

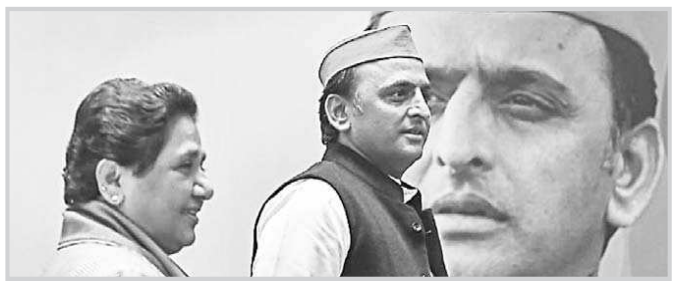

25 सालों तक धुर-विरोधी रहे सपा-बसपा अपना राजनीतिक भविष्य बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं। दोनों के साथ आने की मंशा मतदाता भी समझ रहे हैं। यह गठबंधन फूलपुर और गोरखपुर के उपचुनाव में मिली जीत के आधार पर आगे बढ़ा है। लोकसभा में इस गठबंधन का भविष्य क्या होगा, इसकी पड़ताल अभी शेष है। यूपी में सपा और बसपा को आसानी से मैदान फतह करने का मौका भाजपा भी नहीं देगी।

गठबंधन के बाद दिल्ली में हलचल काफी बढ़ गई है। भाजपा का शीर्ष कैडर अब नई चुनावी रणनीति तैयार करने में लग गया है।

मोदी-शाह ने तमाम तरह की कमेटियां बना कर चुनाव की तैयारियों में कार्यकर्ताओं के लिए जीत का मंत्र दे दिया है। राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी से लेकर हर छोटे-बड़े नेता को दौड़ा दिया है। तमाम प्रदेशों में नेताओं की ड्यूटी लगा दी है। तीन बड़े और महत्वपूर्ण राज्यों में हार के बाद नए सिरे से चुनावी रणनीति बनाई गई है। सूत्र यह बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की ओर से सपा-बसपा के लिए कुछ मुसीबतें भी पैदा की जाएंगी। आगामी लोकसभा को ध्यान में रखकर जो स्थिति इस वक्त बनी है उससे साफ है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बसपा का गठजोड़ सिर्फ प्रादेशिक राजनीति तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह गठबंधन शक्तिशाली रूप में उभरकर राष्ट्रीय राजनीति में भी गजब का उलटफेर करने माद्दा भी रखेगा। सपा-बसपा के गठबंधन ने न सिर्फ भाजपा का खेल बिगाड़ा है बल्कि महागठबंधन के गुब्बारे में कील चुभोने का काम भी किया है। कांग्रेस और उनसे गठबंधन करने वाली पार्टियों की शुरू से ही मांग रही थी कि किसी भी सूरत में मायावती को साथ लाया जाए। अब मायावती के साथ नहीं आने से महागठबंधन कमजोर पड़ गया है।

बसपा प्रमुख मायावती की दिली चाहत है कि वह देश की प्रधानमंत्री बनें। साल 2014 में भी उन्होंने महागठबंधन के समक्ष अपनी इच्छा जाहिर की थी। लेकिन उस वक्त देश में मोदी लहर जबरदस्त थी, तो सभी के अरमान आसमान में हवा हो गए थे। प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने वाली मायावती की पार्टी का खाता भी नहीं खुला। लेकिन वैसी ही स्थिति अब एक बार फिर से बनती दिखाई दे रही है। हमने देखा कि मायावती ने प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश को काफी प्राथमिकता और इज्जत दी है। ऐसा लगता है कि दोनों नेताओं की भविष्य में खूब पटेगी। सालों पुरानी रंजिशें अब हमेशा के लिए खत्म हो गईं। प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश ने कहा कि अगला प्रधानमंत्री उत्तरप्रदेश का ही होगा। इस पर मायावती का चेहरा गुलाब की तरह खिलता दिखा। अखिलेश ने जातिवाद के खिलाफ शंखनाद किया और मायावती ने 'सर्व जनहिताय' की बात कही यानी इन दोनों पार्टियों ने अपने लक्ष्यों को ऊंचा उठाया है। यह भी देखना है कि उत्तरप्रदेश के ये नेता राम मंदिर के सवाल पर क्या रवैया अपनाते हैं। लोकसभा चुनाव में अभी चंद माह शेष हैं इसलिए बदलाव की संभावनाए राजनीति में हमेशा रहती हैं। क्या कुछ बदलता है वह जल्द ही देखने को मिलेगा। भाजपा की स्थिति इस वक्त घायल शेर की तरह है। आसानी से हार नहीं मानेगी।

सियासी दलों के अलावा जनता के लिए आगामी लोकसभा किसी चुनौती से कम नहीं होगा क्योंकि इस बार कोई भी दल विकास की बात नहीं कर रहा है। सभी दलों का मकसद एक दूसरे को चित करके सत्ता हासिल करना मात्र है। सपा और बसपा के कार्यकर्ता एक दूसरे को फूटी आंख से भी देखना पसंद नहीं करते थे, लेकिन नेताओं ने अपने फायदे के लिए दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को एक साथ आने का फरमान जारी कर दिया है। वोटरों को एक बात समझनी चाहिए, क्या वह किसी की जागीर हैं जो चाहें उन पर राज करे। मायावती कभी कहती थीं कि समाजवादी पार्टी गुंडों की पार्टी है उससे दूर रहना चाहिए, लेकिन ऐसा क्या हो गया है कि अब उन्हें गुंडे पंसद आने लगे। नेता सिर्फ अपना फायदा चाहते हैं उनको अब न जनता की परवाह है और न ही किसी और की। इसलिए दरकार अब इस बात की है कि जनता को अपने विवके से काम लेना चाहिए। स्वार्थी ताकतों को पस्त करने का वक्त है। भाजपा के भगवा अभियान से विचलित बसपा ने साइकिल से अपनी कदम ताल मिलने का फैसला कर लिया है। हालांकि ऑफर तो सपा की ओर से ही था लेकिन सही मायने में यह खुद को बचाने के लिए लिया गया फैसला है और इसके मायने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए ही हैं।

2014 के लोकसभा और फिर विधानसभा चुनाव के बाद सपा और बसपा के लिए अपना आधार तक बचाए रखना चुनौती बनता जा रहा था। लगातार नेताओं का बसपा छोड़ने का क्रम तेज हुआ और नतीजा यह हुआ कि मौजूदा समय में बसपा पूरी तरह से टूट कर बिखर गई। तो नीचे से उठती हुई सपा अर्श से एक बार फिर से फर्श की ओर लौट रही है। ऐसे में दोनों दलों को लगा कि अगर अब भी साथ नहीं आए तो कहीं के नहीं रहेंगे। हालांकि, यह गठबंधन फूलपुर और गोरखपुर के उपचुनाव में मिली जीत के आधार पर आगे बढ़ा है। लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन का भविष्य क्या होगा, इसकी पड़ताल अभी शेष है। भाजपा भी यूपी में सपा और बसपा को आसानी से मैदान फतह करने का मौका भाजपा भी नहीं देगी। फिर कांग्रेस भी सभी सीटों पर मैदान में होगी। मतलब, मुकाबला रोचक होगा।

■ **रमेश ठाकुर**
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

बच्चों को जब पढ़ाई बोझ लगेगी, तो वे न सिर्फ गणित बल्कि कोई भी विषय नहीं पढ़ना चाहेंगे। हमें अपने पढ़ाने का तरीका बदलना होगा, तभी सुधार दिख सकता है।

प्रो. गीता वेंकटरमण, शिक्षाविद

अगर हमारे बच्चे गणित में पीछे हैं तो यह देखने की जरूरत है कि आखिर दिक्कत शुरू कहां से हो रही है। हम उस दिक्कत पर काम करें, तो परिणाम दिखने लगेगा।

प्रो. पीके चांदला, शिक्षाविद

सत्यार्थ

जीवन की सार्थकता

राजा विक्रमादित्य अपने गुरु के दर्शन करने एक दिन उनके आश्रम पहुंचे और कहा- गुरुजी, मुझे कोई ऐसा प्रेरक वाक्य बताइए, जो एक महामंत्र बनकर न सिर्फ मेरा, मेरे उत्तराधिकारियों का भी मार्गदर्शन करता रहे। तब गुरुजी ने उन्हें एक श्लोक लिख कर दिया, जिसका आशय था-मनुष्य को दिन व्यतीत हो जाने के बाद कुछ समय निकाल कर यह चिंतन अवश्य करना चाहिए कि आज का मेरा पूरा दिन पशुवत गुजरा या फिर सत्कर्म करते हुए बीता, क्योंकि बिना कार्य, समाजसेवा और परोपकार

आदि के तो पशु भी अपना गुजारा रोज करते हैं, जबकि मनुष्य का कर्तव्य तो अपने जीवन को सार्थक करना है। इस श्लोक का राजा विक्रमादित्य पर इतना असर पड़ा कि उन्होंने इसे अपने सिंहासन पर अंकित करवा दिया। अब वे रोज रात को यह विचार करते कि उनका दिन अच्छे काम में बीता या नहीं। एक दिन अति व्यस्तता के कारण वह किसी की मदद या परोपकार का कार्य नहीं कर पाए। रात को सोते समय दिन के कामों का स्मरण करने पर उन्हें याद आया कि आज उनके हाथ से कोई सद्कार्य नहीं हो पाया। वह बेचैन हो उठे और बहुत प्रयास करने के बाद भी उन्हें नींद नहीं आई। आखिरकार वह उठकर बाहर निकल गए। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक गरीब आदमी ठंड में सिकुड़ता हुआ पड़ा है। उन्होंने उसे अपना दुशाला ओढ़ाया और राजमहल में आए। अब उन्हें यह अहसास हुआ कि आज का दिन बहुत अच्छा बीता। उन्होंने सोचा कि यदि हर व्यक्ति नेक कार्य को अपनी दिनचर्या में शामिल कर ले, तो उसका जीवन अवश्य सार्थक हो जाएगा। यह सोचते हुए उन्हें नींद आ गई। वाकई, वंचितों की मदद करने में जो खुशी है, वह किसी और काम में नहीं।

■ **मुकेश शर्मा**

सार-समाचार

फिर महंगा हो गया पेट्रोल और डीजल, ये हैं आज की कीमतें

नई दिल्ली : पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर उछाल देखा गया है. गुरुवार को राजधानी दिल ?ली में पेट्रोल की कीमतों में 14 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इससे यहां पेट्रोल के दाम 70.47 रुपये प्रति लीटर हो गए. वहीं राजधानी में डीजल के दामों में 19 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी होने के बाद इसकी कीमतें यहां गुरुवार को 64.78 रुपये प्रति लीटर पहुंच गईं.

वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में गुरुवार को पेट्रोल की कीमतों में 14 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इससे यहां पेट्रोल के दाम 76.11 रुपये प्रति लीटर हो गए. इसके साथ ही डीजल के दामों में 20 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद इसके रेट गुरुवार को 67.82 रुपये प्रति हो गए.

बता दें कि बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में गिरावट दिखाई दी थी और डीजल में तेजी आई थी. बुधवार को पेट्रोल के दामों में छह दिन की तेजी के बाद गिरावट आई थी, वहीं डीजल में तेजी का सिलसिला बरकरार है. पिछले दिनों पेट्रोल के एक साल के न्यूनतम स्तर पर जाने के बाद पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल के रेट लगातार बढ़ रहे थे. बुधवार को चारों महानगरों में पेट्रोल के रेट में गिरावट दिखाई दी.बुधवार को पेट्रोल के रेट में 8 पैसे की गिरावट आई थी. दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में 8 पैसे गिरकर पेट्रोल क्रमश= 70.33 रुपये, 72.44 रुपये, 75.97 रुपये और 73 रुपये के स्तर पर पहुंच गया था. वहीं डीजल में 12 और 13 पैसे की तेजी आई थी. इसी के साथ डीजल दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई डीजल क्रमश= 64.59 रुपये, 66.36 रुपये, 67.62 रुपये और 68.22 रुपये के स्तर पर पहुंच गया था.

50 डॉलर पर पहुंच गए थे रेट

जानकारों को उम्मीद है कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में अभी तेजी बनी रहेगी. आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल में महंगाई का रुख बना रह सकता है. 27 दिसंबर से लगातार कच्चे तेल के महंगा होने का सिलसिला जारी है. अभी ब्रेंट क्रूड 60 डॉलर प्रति बैरल के करीब चल रहा है. अगर कच्चा तेल इस स्तर से और ऊपर जाता है तो पेट्रोल की कीमतों में 1 से दो रुपये तक का इजाफा हो सकता है. पिछले दिनों कच्चे तेल की कीमत 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई थी.

एस्सार स्टील के 15000 करोड़ के NPA को बेचेगी स्टेट बैंक

नई दिल्ली: भारतीय स्टेट बैंक ने कर्ज बोझ तले दबी कंपनी एस्सार स्टील के फंसे कर्ज की वसूली के लिये 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के एनपीए को बेचने की योजना बनाई है. बैंक द्वारा जारी एक विज्ञापन में कहा गया है, ''भारतीय स्टेट बैंक 15,431.44 करोड़ रुपये के बकाये वाली अपनी गैर- निष्पादित वित्तीय संपत्ति (एनपीए) की प्रस्तावित बिक्री के लिये बैंकों, संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और वित्तीय संस्थानों से रूचि पत्र आमंत्रित करता है.''स्टेट बैंक ने एस्सार स्टील इंडिया से अपने फंसे कर्ज की वसूली के लिये आरक्षित मूल्य 9,587.64 करोड़ रुपये रखा है. स्टेट बैंक ने कहा है कि फंसे कर्ज की वसूली के लिये समाधान योजना को मंजूरी दी जा चुकी है. इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) अहमदाबाद में दाखिल कर दिया गया. इसके मुताबिक बैंक के लिये न्यूनतम वसूली 11,313.42 करोड़ रुपये रखी गई है.

विज्ञापन में कहा गया है कि एनपीए खाते की बिक्री 30 जनवरी को ई-नीलामी के जरिये होगी. इससे पहले पिछले साल सितंबर में स्टेट बैंक ने एस्सार स्टील के कर्ज की संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों को होने वाली बिक्री को वापस ले लिया था. यह कदम एनसीएलएटी द्वारा कर्जदाता बैंकों को न्युमेटल और खनन क्षेत्र कंपनी वेदांता की दूसरे दौर की बोली पर विचार करने को कहा था.

एस्सार स्टील की गुजरात में एक करोड़ टन क्षमता की इस्पात मिल है. कंपनी पर स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह का 49,000 करोड़ रुपये का कर्ज है. कंपनी दिवाला प्रक्रिया के तहत है. एनसीएलटी की अहमदाबाद पीठ ने पिछले सप्ताह कंपनी के मामले में एस्सार स्टील एशिया होल्डिंग्स की बोली की स्वीकार्यता को लेकर अपना फैसला सुरक्षित रखा है.

पहली बार एक होटल ने 123 रोबोट्स को नौकरी से किया बर्खास्त, खर्राटे लेते ही गेस्ट को जगा देते थे

नई दिल्ली: इस समय दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बहस छिड़ी है. ज्यादातर लोग मानते हैं कि कोई भी टेक्नोलॉजी, इंसानों को पूरी तरह रिप्लेस नहीं कर पाएगी. इसी बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां जापान के एक होटल ने सही काम न करने पर अपने होटल के 123 रोबोट्स को नौकरी से निकाल दिया. जापान का %हेन ना% दुनिया का पहला होटल है जहां लोगों की सुविधा के लिए 243 रोबोट रखे गए थे. इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है. लेकिन होटल को लगा कि रोबोट्स अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे. यानी जहां माना जा रहा था कि रोबोट्स के आ जाने के बाद इंसानों की नौकरी खतरे में पड़ सकती है, वहीं खुद रोबोट्स की नौकरी भी सुरक्षित नहीं.

खर्राटे आते ही गेस्ट को जगा देते हैं

एजेंसी के मुताबिक होटल में आने वाले गेस्ट को शिकायत थी कि खर्राटे लेते ही रोबोट उन्हें जगा देते हैं. गेस्ट के साथ ऐसा रात में कई बार होता है. अगर रोबोट रिसेप्शन जैसी जगह बैठा हो तो वह आपके सामान्य सवालों का भी जवाब देने में नाकाम था. गेस्ट की शिकायत थी कि खर्राटे लेते ही रोबोट्स का ऑटो सेंसर काम करने लगता है और रोबोट्स नींद से जगाकर पूछते थे, आपने जो कहा एक बार फिर से कहेंगे ?

आसान काम भी नहीं करते रोबोट्स

होटल में रुकने वाले गेस्ट ने बताया कि वहां तैनात रोबोट्स को चुरी बोलते हैं. चुरी छोटे-मोटे काम भी कई बार नहीं कर पाते. रोबोट्स को लाइट या ष्ट बंद करने को कहो, तो भी वो नहीं सुनते. एक गेस्ट ने चुरी से पूछा, 'थीम पार्क किस समय खुलता है ?' लेकिन चुरी इस सवाल का सही जवाब नहीं दे पाए.

शुरुआत में मिली शोहरत

2015 में यह होटल जापान के सासेबो में खोला गया था. इसे काफी शोहरत भी मिली थी. शुरुआत में होटल में 80 रोबोट रखे गए थे. बाद में इनकी संख्या तिगुनी हो गई. होटल की बेवसाइट के जनरल कॉन्सेप्ट में भी इस बार का जिक्र है कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके वो अपने लोगों को मदद करते हैं. होटल संचालक हिडियो सवाडा का कहना है कि हमने ये रोबोट्स सिर्फ ख्याति बटोरने के लिए नहीं रखे थे, बल्कि हम टेक्नोलॉजी को इस्तेमाल करना चाहते थे.

फॉक्सवैगन पर 100 करोड़ रुपए का जुर्माना

आज शाम तक पैसा नहीं दिया तो डायरेक्टर होंगे गिरफ्तार

नई दिल्ली . नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कार बनाने वाली कंपनी फॉक्सवैगन (Volkswagen) पर 100 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका है. कंपनी को 100 करोड़ रुपए शुक्रवार शाम पांच बजे तक जमा कराने हैं. निर्धारित समय तक पैसे जमा नहीं जाने पर फॉक्सवैगन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. आदेश नहीं मानने पर कंपनी के इंडिया हेड की गिरफ्तारी भी हो सकती है. साथ ही कंपनी की भारत में मौजूद संपत्ति भी जब्त की जा सकती है.

क्या है मामला ?

ये मामला डीजल कारों के उत्सर्जन यानी Emission से जुड़ा है. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की चार सदस्यीय कमेटी ने पाया था कि जर्मन कार कंपनी फॉक्सवैगन भारत में उत्सर्जन कम करने के लिए गलत उपकरण लगाती है. इससे अत्यधिक नाइट्रोजन ऑक्साइड निकलता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान होता है. फॉक्सवैगन की डीजल कारों से साल 2016 में नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन काफी ज्यादा हुआ था, जबकि कंपनी ने सॉफ्टवेयर के जरिए प्रदूषण का स्तर कम दिखाया था.

पहले भी दिया था आदेश

इससे पहले ह्वत्रञ्ज ने फॉक्सवैगन को आदेश दिया था कि वह सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में100 करोड़ रुपये की अंतरिम राशि जमा कराए. NGT के अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने पर्यावरण को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक समिति भी गठित की थी. इस समिति में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्य शामिल थे. लेकिन फॉक्सवैगन ने पिछले आदेश का पालन नहीं किया.

'आम्रपाली के महंगे फ्लैट मात्र 1 रुपये/वर्ग फुट के भाव पर बुक किए गए थे'

नई दिल्ली: फॉरेंसिक आडिट में आम्रपाली समूह के कई नये राज सामने आ रहे हैं. इस काम के लिए नियुक्त आडिटरों ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 500 से अधिक लोगों के नाम पर महंगे-महंगे फ्लैटों की बुकिंग मात्र एक रुपये, पांच रुपये या 11 रुपये प्रति वर्गफुट के भाव पर की गई थी. आडिट में यह भी सामने आया है कि ड्राइवरों, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और आफिस ब?वॉय का काम करने वालों के नाम पर 23 कंपनियां बनाई गईं थीं. ये कंपनियां आम्रपाली के गठबंध का हिस्सा थीं और घर खरीदारों के पैसे को इधर-उधर करने के लिए इनको आगे किया गया था.

दो फॉरेंसिक आडिटरों ने शीर्ष अदालत को बताया कि उनके सामने 655 ऐसे लोगों के नाम आए हैं जिनके नाम पर फ्लैट की 'बेनामी' बुकिंग की गई. उनके 122 पतों पर वैसा कोई व्यक्ति नहीं मिला. फॉरेंसिक आडिटरों की अंतरिम रिपोर्ट न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और न्यायमूर्ति यूयू ललित की पीठ को सौंपी गई. रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) चंदर वाधवा ने पिछले साल 26 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश होने से सिर्फ तीन दिन पहले 4.75 करोड़ रुपये अज्ञात लोगों को स्थानांतरित किए.

फॉरेंसिक आडिटर पवन कुमार अग्रवाल ने पीठ से कहा, ''मार्च, 2018 तक वाधवा के खाते में 12 करोड़ रुपये थे. उसके बाद उन्होंने एक करोड़ रुपये अपनी पत्नी के नाम स्थानांतरित किए. 26 अक्टूबर को अदालत के समक्ष पहली बार पेश होने से तीन दिन पहले उन्होंने 4.75 करोड़ रुपये अज्ञात लोगों को स्थानांतरित किए.''

अवमानना का मामला

अग्रवाल की इस बात के बाद पीठ ने वाधवा की खिंचाई की और उनके खिलाफ अवमानना की चेतावनी दी. वाधवा उस समय न्यायालय में मौजूद थे. अदालन ने कहा, 'आप न्याय की राह में अड़ंगा डाल रहे हैं. आप को अच्छी तरह मालूम था कि आपसे सवाल किए जाएंगे. इस लिए आपने पैसा दूसरी जगह भेज दिया...आप सात दिन में वह पैसा वापस लाइए. आपको 23 अक्तूबर 2018 के बाद धन अंतरित करने का कोई काम नहीं था. हम आप के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई कर सकते हैं.

आम चुनाव के मद्देनजर Facebook राजनीतिक विज्ञापनों के नियम कड़े करेगा

नई दिल्ली.फेसबुक ने बुधवार को कहा कि वह भारत जैसे देशों में जहां आम चुनाव होने वाले हैं राजनीतिक विज्ञापनों के लिये नियम कड़े करेगा. कंपनी ने कहा है कि अमेरिका, ब्रिटेन और ब्राजील में राजनीतिक विज्ञापनों में पारदर्शिता लाने के उसके प्रयास पहले से ही चल रहे हैं. भारत में आम चुनाव अगले कुछ महीनों में होंगे. फेसबुक ने इस मामले में एक के बाद एक कई गड़बड़ियां और घोटाले सामने आने के बाद नियमों में सख्ती की बात की है.

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने अपने विज्ञापन पृष्ठ पर डाली गई एक पोस्ट में कहा है, ''इस साल दुनिया भर में कई जगह आम चुनावों की तैयारियां चल रही है. हम बाहरी हस्तक्षेप को रोकने पर लगातार ध्यान दे रहे हैं. हमारे प्लेटफार्म पर जो भी विज्ञापन होगा उसमें लोगों को अधिक सूचना दी जायेगी.''कंपनी ने कहा है कि भारत में फेसबुक एक विज्ञापन लाइब्रेरी शुरू करेगा और आम चुनावों से पहले विज्ञापनों की पुष्टि का नियम लागू करेगा. चुनाव अप्रैल-मई तक हो सकते हैं.

कंपनी का कहना है कि अमेरिका, ब्रिटेन और ब्राजील में राजनीतिक विज्ञापन देने वालों को विज्ञापन जारी होने से पहले अपनी पूरी पहचान और स्थान के बारे में पुष्टि अनिवार्य की गई है. इन विज्ञापनों को सात साल के लिए संग्रहित कर दिया जाता है जिसे कोई भी देख सकता है. फेसबुक ने कहा है कि नाइजीरिया और उक्रेन में कोई भी विदेशी चुनावी विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जायेगा. यूरोपीय संघ में मई में यूरोपीय संसद के लिये होने वाले चुनावों में कंपनी ''पारदर्शिता उपाय'' जारी करेगी. कंपनी ने कहा है कि जून के अंत तक इन उपायों को वह दुनियाभर के विज्ञापनदाताओं के लिये उपलब्ध करा देगी. फेसबुक ने पिछले साल इस बात को स्वीकार किया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिये काम करने वाले राजनीतिक क्षेत्र की कंपनी केंब्रिज एनालिटिका ने उसके लाखों उपयोगकर्ताओं से जुड़ी जानकारी को चुरा लिया था. ब्रिटेन में बेक्जिट मतदान की आलोचना करने वाले लोगों का भी कहना है कि कैंब्रिज एनालिटिका ने चुराये गये इन आंकड़ों को इस्तेमाल ''ईयू को छोड़ने'' की दिशा में मतदान करवाने के लिये भी किया.

मुंबई के सबसे बड़े स्लम धारावी की बदलेगी तस्वीर, 70 हजार परिवारों को मिलेगा घर

नई दिल्ली: मुंबई के सबसे बड़े स्लम एरिया धारावी की तस्वीर बदलने वाली है. धारावी के रीडेवलपेमेंट के लिए महाराष्ट्र सरकार काफी दिनों से कोशिश में है. अब रीडेवलपमेंट के लिए दो बड़ी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है. पहली कंपनी है अदानी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और दूसरी है दुबई की SECLINK. फिलहाल दोनों कंपनियों के

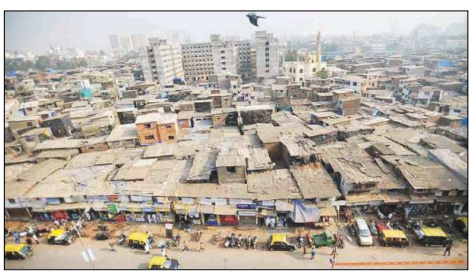

टेक्निकल और फाइनेंशियल पक्षों की जांच होना बाकी है. अगर सब कुछ सही रहता है तो जल्द ही धारावी के रीडेवलपमेंट की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी.

बनेंगे 70 हजार घर

रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत दोनों कंपनियों को लगभग 70 हजार परिवारों को घर बनाकर देना होगा. जिस जमीन पर फ्लैट बनेंगे, उन्हें चार मंजिला तक बनाने की इजाजत होगी. जिन लोगों की झोपड़पट्टी है, उन्हें घर फ्री में मिलेगा. बाकी जो घर बचेंगे, कंपनियां उन्हें मार्केट रेट पर दूसरों को बेच सकेंगी. घर का कारपेट एरिया कम से कम 350 वर्गफुट का होगा और ये प्रोजेक्ट 7 साल के भीतर पूरा करना होगा.

2016 में निकाया गया था टेंडर

धारावी के रीडेवलपमेंट का किस्सा काफी पुराना है. इसके लिए 2016 में ही टेंडर निकाला गया था, लेकिन उस वक्त डेवलपर्स ने कुछ खास दिलचस्पी नहीं दिखाई. ऐसे में नवंबर 2018 में एक बार फिर टेंडर निकाला गया. राज्य सरकार ने टेंडर में देशी-विदेशी कंपनियों को बोली लगाने का न्योता दिया. दो बार बोली लगाने की समयसीमा बढ़ाई गई, जिसमें अदानी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और दुबई की SECLINK ने बोली लगाई. अब आगे इस बोली की टेक्निकल और फाइनेंशियल जांच होगी.

बनेगी SPV

किसी एक बिल्डर के जिम्मे प्रोजेक्ट को छोड़ने के बजाय राज्य सरकार ने इस बार SPV यानी स्पेशल परपज़ व्हीकल का रास्ता अपनाया है. इस तरह नई कंपनी में राज्य सरकार 100 करोड़ डालेगी और SPV की मुख्य पार्टनर कंपनी 400 करोड़ रुपए खर्च करेगी. 240 हेक्टेयर में फैली धारावी मुंबई में अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए एक वरदान साबित हो सकती है. मुम्बई में ज़मीन की किल्लत है ऐसे में धारावी की प्राइम लोकेशन पर रीडेवपलमेंट होता है, तो काफी लोगों को सस्ते घर खरीदने का मौका मिल जाएगा.

फ्रेंचाइजी के 'फर्जी' विज्ञापन से वसूली का खेल, अमूल ने गूगल को भेजा कानूनी नोटिस

कृपया ध्यान दें, गूगल पर अमूल की फर्जी वेवसाइट चलाकर की जा रही थी ठगी.

नई दिल्ली: अगर आप अमूल की डिस्ट्रीब्यूटरशिप लेना चाहते हैं, तो कृपया ध्यान दें. गूगल पर अमूल फ्रेंचाइजी, अमूल पार्लर, अमूल डिस्ट्रीब्यूटर की-वर्ड डालने पर फर्जी लिंक आ रहे हैं. ये लिंक पूरी तरह गलत हैं और इस चक्कर में रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर लोगों के 3-6 लाख रुपए तक वसूले जा रहे हैं. इसलिए अगर आपको फ्रेंचाइजी लेनी है तो कंपनी की असल वेबसाइट पर जाकर पूरी तरह तस्दीक कर लें. अमूल ने फर्जी विज्ञापन मामले में गूगल इंडिया को कानूनी नोटिस भी भेजा है. अमूल ने पुलिस से शिकायत की है कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति अमूल की डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर गूगल पर फर्जी विज्ञापन देकर ठगी कर रहे हैं.

लोगों से ठगे गए लाखों रुपए

अमूल का कहना है कि गूगल पर अमूल फ्रेंचाइजी, अमूल पार्लर और अमूल डिस्ट्रीब्यूटर की-वर्ड डालने पर फर्जी लिंक आ जाते हैं. इन पर क्लिक करने पर लोगों से फॉर्म भरवाया जाता है. उसके बाद कॉल कर रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 25,000 से 5 लाख रुपए तक मांगे जाते हैं. पैसे मिलने के बाद लोगों से संपर्क बंद कर दिया जाता है. अमूल के एमडी आरएस सोढ़ी का कहना है कि फर्जी विज्ञापनों के शिकार कई लोगों ने उनसे संपर्क किया है. कुछ लोग ऐसे हैं जो ठगों के झांसे में आकर 3 से 6 लाख रुपए तक का भुगतान कर चुके हैं.

फर्जी विज्ञापन रोके गूगल

अमूल ने गूगल से फर्जी विज्ञापनों पर रोक लगाने की मांग की है. अमूल का कहना है कि बड़ी कंपनियों से संबंधित पेड ऐड लेने से पहले विज्ञापन देने वालों की जांच-पड़ताल की जानी चाहिए.

श्री श्याम मंदिर द्वितिय पाटोत्सव 10 को

भजन संध्या, नानीबाई को मायरों सहित होंगे अनेकों आयोजन

सूरत। श्री श्याम मंदिर, सूरत धाम का द्वितिय पाटोत्सव बसंत पंचमी के पावन दिन रविवार 10 फरवरी को मनाया जाएगा।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश तोदी ने बताया कि इस मौके पर बाबा श्याम, सालासर बालाजी एवं शिव परिवार का दिव्य एवं आलौकिक श्रृंगार किया जाएगा एवं मंदिर प्रागण को अद्भभूत साजाया जाएगा।

ट्रस्ट के सचिव सुशील गाडोदिया ने बताया कि पाटोत्सव के अवसर पर दो दिन का भव्य आयोजन किया जाएगा। शनिवार 9 फरवरी को सुन्दरकाण्ड पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमंत्रित कलाकार विकास रुईया एवं रवि बेरीवाल भजनों की प्रस्तुति देंगे।

आयोजन में रविवार 10 फरवरी को पूजन विधान, विशाल रक्तदान शिविर एवं नानी बाई को मायरों का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता के संदीप सुल्तानिया नानी बाई को मायरों की प्रस्तुति नृत्य नाटिका के साथ देंगे।

श्री श्याम मंदिर, सूरत धाम के द्वितिय पाटोत्सव के अवसर पर सूरत, वापी, भरुच,मुंबई, राजस्थान, कोलकाता सहित सम्पूर्ण भारत से श्याम भक्त सूरत आएंगे।

स्वामीनारायण संस्थान द्वारा गरीब महिलाओ में किया गया साड़ी वितरण

सूरत। स्वामीनारायण गदी के आचार्य श्री पुरुषोत्तम प्रेमदासजी स्वामीजी महाराज की प्रेरणा से मानव सेवा अभियान विश्रामभाई जादव वरसाणी परिवार के सोजन्य से मकरसंक्रांति पर्व पर गरीब विधवा, जरुरतमंद बहनों सुबीर तालुका, आहवा और वासदा तालुका के गामों में जैसे की करंजड़ा, जारसोड़ा, शिवबारा,ह नमतपाड़ा, पंपा सरोवर, चीकटीआ, घोलचांड, खंभला बगेरे गामो में कुल 1120 साड़ीयों का वितरण किया गया।

सूरत। वनिता विश्राम संचालित वनिता विश्राम विमेन्स कोलेज आफ कोमर्स में उडीशा अंतर्गत कोलेज की विद्यार्थियों द्वारा आचार्या डा. अभिलाषा अग्रवाल के मार्गदर्शन में अेन्टरप्रेन्योरशिप विक का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अेन्टरप्रेन्योरिअल स्कील्स का विकास करना था।

सूरत। शहर के नानपुरा स्थित पुरानी बहुमाली कचेरी में ओबीसी वर्ग के लोगों जाती प्रमाण पत्र लेने के लिए लाईन में लगे नजर आए।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो-२०१९

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्लोबल ट्रेड शो का उद्घाटन

मेइक इन इंडिया, एमएसएमई. सहित विभिन्न पवेलियन की मोदी ने मुलाकात की : मुख्यमंत्री रुपाणी उपस्थिति

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को गांधीनगर में देश का सबसे बड़ा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो खुला रखा गया । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल और राज्य मंत्रीमंडल के सभी सदस्य सहित देश-विदेश के कई अग्रणी उद्योगपति की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वीच ऑन करके और तख्ती का अनावरण करके ग्लोबल ट्रेड शो खुला रखा गया । शुभारंभ करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेइक इन इंडिया' सार्वजनिक उद्यमों तथा एमएसएमई. (मध्यम, छोटे और लघु उद्योग) के पवेलियन की मुलाकात की । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मोरक्को का उद्योग, पूंजीनिवेश, व्यापार और अर्थव्यवस्था मंत्री राकीया एडरहाम, रिपब्लिक ऑफ माल्टा की अर्थव्यवस्था, पूंजीनिवेश और लघु व्यापार मंत्री डॉ. क्रिस्टीन कार्डोना, जापान की अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री योशीहीको आईजोस्की, अजरबैजान की अर्थव्यवस्था के उपमंत्री साहीब माम्मदोव, थाइलैंड की उप वाणिज्य मंत्री चतीमा बुन्चप्रफासारा, यूनाइटेड अरब अमीरात के क्लायमेन्ट चेंज और पर्यावरण मंत्री डॉ. थानी अल जियाउद्दी ने ग्लोबल ट्रेड शो की मुलाकात की । वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-२०१९ के तहत आयोजित हुए ग्लोबल ट्रेड शो के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डोम नंबर-१ में 'ऑटोमोबाइल, ई-व्हीकल, बैंकिंग एंड फाइनेंस' इन्टरनैशनल एंड नैशनल थीम पवेलियन की मुलाकात लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनी के सीईओ-उद्योगपतियों के साथ बातचीत की गई । इस पवेलियन में मारुति सुजूकी, होन्डा, जेट्रो तथा यूनाइटेड अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, पोलेन्ड, होलेन्ड, नोर्वे और ताइवान तथा भारत में निवेश के लिए विभिन्न मौके बताते राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्टोलर्स भी शामिल है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने ग्लोबल ट्रेड शो में आफ्रिका-पवेलियन की मुलाकात की।

टेक्सटाइल्स मार्केट में वेरा की वसुली के तहत 59 दुकानों पर सील मारी

लिंबायत इन्डस्ट्रीयल प्लोट में वेरा वसूला

सूरत। साउथ ईस्टजोन के कमिश्नर सूचना अनुसार कमिशनर के मार्गदर्शन में आकारणी और वेरा वसूल विभाग के स्टाफ द्वारा 16-01-2019 को रिंगरोड़ मार्केट अेरिया में आने वाले अभिनंदन मार्केट, अभिषेक मार्केट, गुडलक मार्केट, जय राधे मार्केट, जे.डी मार्केट, राधे मार्केट, न्यु लक्ष्मी मार्केट, अेम.जी. मार्केट, मिलेनियम मार्केट सहित मार्केटो में वेरा वसूला गया। इन सभी मार्केट के व्यापारियों द्वारा लम्बे समय से वेरा भरपाई नहीं कर रहे थे जिसमें से 49 दुकानों को सिल कर दिया गया। साथी ही अधिकतर दुकानदारों ने स्थल पर ही रु. 8,72,450 से अधिक रकम वसुली गई। जबकि लिंबायत नारायण नगर विसातर में आने वाली इन्डस्ट्रीयल ओपन प्लोट वाली जगह पर बोर्ड मारता स्थल से रु. 1.95,655 से अधिक रकम का वेरा वसूला गया।

अहमदाबाद को आधुनिक हॉस्पिटल का तोहफा

बड़े अस्पतालों में अब गरीब भी करा सकेंगे इलाज : मोदी

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद में ७५० करोड़ की लागत से बने सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टिट्यू ऑफ मेडिकल साइंस ऐंड रिसर्च का उद्घाटन किया

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अहमदाबाद में ७५० करोड़ की लागत से बने सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टिट्यू ऑफ मेडिकल साइंस ऐंड रिसर्च का उद्घाटन किया । इस मौके पर पीएम ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जाने से लोग बचते थे और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कर पाना सिर्फ साधन संपन्न लोगों के ही बस में था । पीएम ने कहा कि यह देखकर पीड़ा होती थी और इसी स्थिति को दूर करने के लिए ही सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई बड़े फैसले लिए हैं । पीएम ने कहा कि आयुष्यमान भारत से जुड़ा होने के कारण यहां गरीब को भी मुफ्त में इलाज मिलेगा । उद्घाटन के बाद पीएम ने अपने संबोधन में कहा, १५०० बेड वाला यह अस्पताल अहमदाबाद की स्वास्थ्य सुविधाओं को उच्च स्तर पर ले जाएगा । उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के कमरे हों या फिर कैंपस, यहां आधुनिकता और पर्यावरण का पूरा ध्यान रखा गया है। पीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने नए सरकारी अस्पताल बनवाने और नए मेडिकल कॉलेज बनवाने पर जोर दिया है। उन्होंने बताया कि बीते चार वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ साथ मेडिकल एजुकेशन का भी अभूतपूर्व विस्तार किया गया है । पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान १८ हजार से अधिक एमबीबीएस और १३ हजार से ज्यादा पोस्ट ग्रैजुअट सीटें बढ़ाई गई हैं। मोदी ने कहा कि यहां गुजरात में भी हजारों नई सीटें जोड़ी गई है । पीएम मोदी ने कहा कि अहमदाबाद का यह नया अस्पताल देश में सरकारी अस्पतालों के लिए मॉडल सिद्ध होने वाला है । उन्होंने कहा कि आयुष्यमान जैसी योजना के कारण छोटे-छोटे कस्बों में भी जरूरत बढ़ रही है और नए अस्पताल भी तेजी से खुल रहे हैं । पीएम ने कहा कि इसके साथ युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर भी बढ़ रहे हैं । गौरतलब है कि पीएम मोदी अपनी गुजरात यात्रा के दौरान १८ जनवरी को यहां वाइब्रेंट गुजरात इन्वेस्टर्स समिट की शुरुआत भी करेंगे । इस समिट में देश के तमाम उद्योग घराने के लोग हिस्सा लेंगे, जिन्हें गुजरात सरकार राज्य में निवेश का आमंत्रण देगी । इस समिट में पीएम मोदी और गुजरात के सीएम विजय रुपाणी तमाम देशों से आए मेहमानों और भारत के कई उद्योगपतियों को संबोधित भी करेंगे ।

नये संस्थान को आयुष्यमान भारत योजना से जोड़ा जाएगा

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सामान्य वर्ग के गरीबों को दस प्रतिशत आरक्षण के लिए संवैधानिक संशोधन करना उनकी सरकार की राजनीतिक इच्छे के कारण संभव हो पाया और इसे आगामी शैक्षणिक वर्ष से ही लागू किया जाएगा । डेढ हजार बिस्तर वाले सरदार वल्लभभाई पटेल आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा पहले से मौजूद सामाजिक आरक्षण को प्रभावित किये बिना आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा, नया आरक्षण इसी शैक्षणिक वर्ष से देश के ९०० विश्वविद्यालयों के ४० हजार कॉलेजों में लागू किया जाएगा ।

ओटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा : एनपी पटेल को राहत

राठोड के साथ अनैतिक कोई काम नहीं किया गया

अहमदाबाद । कराई के तालीमार्थी पीएसआई देवेन्द्रसिंह राठोड की आत्महत्या केस के १५ दिन बाद शहर क्राइमब्रांच द्वारा ओटोप्सी रिपोर्ट को लेकर महत्व का खुलासा किया गया है कि, मृतक पीएसआई के साथ अनैतिक विरूद्ध का कोई काम नहीं किया गया था। यह खुलासे के बाद इस केस में मुख्य आरोपी के तौर पर बताये गये डीवायएसपी एनपी. पटेल को राहत मिली है। क्योंकि, पहले मृतक पीएसआई की पत्नी ने गंभीर आरोप लगाया था कि, कराई के डीवायएसपी पटेल उनके पति को उनके साथ समलैंगिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाते थे। चांदलोडिया में रहते पीएसआई देवेन्द्र राठोड की आत्महत्या की वजह से डीवायएसपी एनपी. पटेल के विरूद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप दर्ज किया गया है। लेकिन पुलिस जांच में इनके विरूद्ध कोई सबूत नहीं मिला है । क्राइमब्रांच के सूत्रों के बताये अनुसार, प्राथमिक जांच में जिनके विरूद्ध आरोप लगे है उनके विरूद्ध कोई सबूत नहीं मिला है । पीएसआई को अनैतिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया हो यह पोस्टमोर्टम रिपोर्ट में या अब ओटोप्सी रिपोर्ट में भी कोई सबूत नहीं मिला है। जबकि डीवायएसपी की गिरफ्तारी मामले में पुलिस अधिकारी ने कहा कि, वह फिलहाल कराई एकेडेमी में ही है। हाल के समय में पीएसआई को आत्महत्या के लिए उकसाना या मजबूर था यह बात साबित नहीं हो सकी । जिसकी वजह से अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है । हालांकि, पुलिस योग्य दिशा में जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि, २०१६-१७ की बेच के पीएसआई तथा गोल्ड मेडलिस्ट देवेन्द्रसिंह राठोड ने ३१ दिसम्बर को चांदलोडिया में स्थित अपने घर में सर्विस रिवाल्वर से आत्महत्या किया था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)